

प्रेषक,

एस0 राजू
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त विकलांगजन,
उत्तराखण्ड।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 31 जनवरी, 2012

विषय:-विकलांगजन अधिनियम, 1995 के क्रियान्वयन के अन्तर्गत विकलांगजन आयुक्त कार्यालय हेतु वित्तीय वर्ष 2011-12 में पुनर्विनियोग के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:-379/आ0नि0ज0/2011 दिनांक 09 दिसम्बर, 2011 एवं तत्क्रम में निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी नैनीताल के पत्र संख्या-3174/स0क0/पुन0प्रस्ताव/2011-12 दिनांक 19 दिसम्बर, 2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विकलांगजन आयुक्त कार्यालय हेतु अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष में (मानक मद 01-वेतन रु0 1.48 लाख, 03-महंगाई भत्ता रु0 0.50 लाख, 06-अन्य भत्ते रु0 0.25 लाख तथा 16-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान रु0 0.50 लाख) कम पड़ी रही धनराशि के प्रस्ताव में संलग्न बी0एम-15 में उल्लिखित विवरणानुसार उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा रु0 2.73 लाख (रुपये दो लाख तिहत्तर हजार मात्र) की धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
2. उक्तानुसार आवंटित धनराशि किसी अन्य मद में व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाएगा।
3. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययिता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा।
4. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय संलग्न बी0एम0-15 के कॉलम-5 में अंकित लेखाशीर्षक एवं उसके सुसंगत प्राथमिकता इकाईयों के नामे डाला जायेगा तथा पुनर्विनियोग संलग्न बी0एम0-15 के कॉलम-1 की बचतों से किया जायेगा।
5. शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध शासनादेश संख्या-403/XVII-2/2011-बजट10(19)/2009 दिनांक 21 अप्रैल, 2011 के अनुसार यथावत लागू रहेंगी।
6. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-71(NP)XXVII(3) 2011-12 दिनांक 23 जनवरी, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 राजू)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त

पृष्ठांकन संख्या : 23 /XVII-2/2012-10(19)/2009 तददिनांक

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड।

2. निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार उत्तराखण्ड देहरादून।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून।
5. जिलाधिकारी देहरादून।
6. जिला समाज कल्याण अधिकारी देहरादून।
7. कोषाधिकारी देहरादून।
8. समाज कल्याण निगोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट राजकोषीय ससाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 11. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(बी0आर0टन्टा)

अपर सचिव

नियत अधिकारी :- प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, समाज कल्याण उत्तराखण्ड शासन।
भाषाईक विभाग :- समाज कल्याण।

वित्तीय वर्ष 2011-12

अनुदान संख्या - 15 धनराशि रु हजार में।

बजट प्राविधानित लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मंदवार अध्यवधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (संरक्षित धनराशि)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि हस्तान्तरित की जानी है	पुनर्वितरण के बाद मानक - 5 की कुल धनराशि	पुनर्वितरण के बाद अवशेष धनराशि (कॉलन में अवशेष)	अभ्युक्ति	
	2	3	4	5	6	7	8	
अनुदान संख्या -15 आयोजनोत्तर 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण 02-समाज कल्याण 04-वृद्ध, अशक्त वृद्ध तथा निरक्षर निरक्षर व्यक्तियों का कल्याण 04-वृद्धता का निवारण 01-वैतन	2800	1329	1198	273	अनुदान संख्या -15 आयोजनोत्तर 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण 02-समाज कल्याण 01-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण 01-विकलांग जन अधिनियम 1995 के क्रियान्वयन हेतु कार्यक्रम 01-वैतन 03-महागृह मंत्री 06-अन्य मंत्री 06-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	148 434 70 50 50	2527	(क) वृद्धता का निवारण अधिकांश के अन्तर्गत कॉलन में अंकित मानक 01-वैतन मद में धनराशि के बचत होने की सम्भावना है। (ख) आयुक्त निश्चलजन उत्तराखण्ड में अधिकांश में कार्यरत व्यक्तियों के वेतन, महागृह मंत्री, अन्य मंत्री तथा व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान मद में प्राविधानित धनराशि कम होने के कारण उक्त मदों में अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है। उक्त कॉलन 5 में अंकित मानक मदों में पुनर्वितरण के नष्टन से धनराशि की स्वीकृति आवश्यक है।
योग	2800	1329	1198	273	273	2527		

प्रतिष्ठित किया जाता है कि पुनर्वितरण से बजट मैम्वर के परिचय -50, 51, 55, 56 में उल्लेखित धनराशि का उपलब्ध नहीं होने है।

273

2527

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वितरण से व्यय नैतिक के क्रियोच - 50, 51, 55, 56 में उल्लेखित प्रकरणों का उत्पन्न नहीं होता है।

सेवा में

महलेखाकर (लेख एवं हकदारी)

उत्तराखण्ड, नगर, देहरादून

संख्या : 23 / XVII-2/2012-10(19)/2009 तद्विनांक।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं अवश्य कार्यवाही हेतु प्रेषित

- निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड हलद्वानी, नैनीताल।
- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी हलद्वानी (नैनीताल)/देहरादून।
- जिला समाज कल्याण अधिकारी देहरादून।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-3

संख्या - 71/44 XXVII(3)/2011-12

देहरादून 23 जनवरी, 2012

(एस राजू)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त

महलेखाकर
(आर० सी० अग्रवाल)

अज्ञा से

(बी० आर० टम्या)

प्रमुख सचिव